भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

30.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1724 का उत्तर

व्यवस्थित कागजी दस्तावेज़ीकरण

1724. श्री सुदामा प्रसाद:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे परिचालन की मनी वैल्यू फॉर्म जैसे व्यवस्थित कागजी दस्तावेजों पर निर्भरता को देखते हुए, सरकार का इन दस्तावेजों की छपाई आउटसोर्स किए जाने की स्थिति में धोखाधड़ी और अक्षमताओं जैसे संभावित जोखिमों से इरादा कैसे निपटने का है;

(ख) इस तथ्य के मद्देनजर कि 2014 में बार्सिलोना, स्पेन से खरीदी गई रेल प्रेसों में पांच रोटाटेक मशीनें प्रशिक्षित रेल कर्मचारियों की देखरेख में यूटीएस और पीआरएस टिकटों की छपाई के लिए लागत प्रभावी और कुशल साबित हुई हैं, रेल के प्रेसों को बंद करने के प्रस्ताव के क्या कारण हैं; और

(ग) यदि आउटसोर्स प्रिंटिंग प्रेसों पर निर्भरता बढ़ती है, जिससे वर्तमान आंतरिक प्रणाली की तुलना में वित्तीय बोझ बढ़ सकता है और निगरानी कम हो सकती है, तो रेल परिचालन की सुरक्षा और लागत दक्षता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): डिजिटलीकरण और मुद्रण की घटती आवश्यकता के कारण, रेल मंत्रालय ने मुद्रणालयों को बंद करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में व्यापक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें भारतीय बैंक संघ/भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमोदित प्रतिभूति मुद्रणालयों से टिकटों और मौद्रिक मदों का मुद्रण भी शामिल हैं।

****